RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 10 अंक-34 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 12 सितम्बर से 18 सितम्बर 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

आयुष्मान-भवः अभियान से 7 करोड़ परिवारों तक पहुंचने की तैयारी

35 करोड़ कार्ड बनाने का लक्ष्य

17 सितंबर से लगेंगे आयुष्मान मेले

केंद्र सरकार मिशन 2024 से पहले आयुष्मान भव अभियान के जरिए 7 करोड़ नए परिवारों तक पहुंचने की तैयारी में है। एक परिवार में औसत पांच सदस्यों को मानते हुए करीब 35 करोड़ नए लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य है। 2018 में केंद्र सरकार ने 10.74

करोड़ ऐसे परिवार यानी करीब 50 करोड़ लोग चिह्नित किए थे, जिन्हें आयुष्मान योजना के दायरे में लाना था।

अब लाभार्थियों की संख्या में उन लोगों को भी जोड़ना तय हुआ, जो 2011 के बाद नई जनगणना नहीं होने से कहीं दर्ज नहीं हैं। ऐसे दो करोड़ परिवार यानी करीब 10 करोड़ लोग हैं। केंद्र सरकार अब तक करीब 25 करोड़ आयुष्मान कार्ड जारी कर चुकी है। सरकार 2 अक्टूबर तक आयुष्मान लाभार्थियों का कुल आंकड़ा बढ़ाकर 60 करोड़ करना चाहती है।

स्वास्थ्य मंत्रालय सूत्रों ने बताया कि नए लाभार्थियों में कचरा उठाने वाले, भिखारी, घरेलू नौकर, ट्रांसपोर्ट वर्कर, हेल्पर, पेंटर, मिस्त्री भी शामिल होंगे।

13 सितम्बर 2023 से आयुष्मान भवः स्वास्थ्य मेले लगेंगे, कार्ड भी बनेंगे

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 13 सितंबर से आयुष्मान भव अभियान शुरू करेंगी। इसका लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया के अनुसार, 17 सितंबर को प्रधानमंत्री के जन्मदिन से सेवा पखवाड़ा शुरू होगा। इसमें स्वास्थ्य मेले लगेंगे। आयुष्मान कार्ड भी बनाए जाएंगे।

आयुष्मान मेलों में मध्यम वर्ग का भी फ्री इलाज

अभियान के तहत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच आयुष्मान योजना से जुड़े सभी 1.17 लाख हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर आयुष्मान मेले लगेंगे। इसमें गरीब के साथ मध्यम वर्ग का भी फ्री इलाज होगा। पात्रों के तुरंत कार्ड बनाए जाएंगे। सभी ब्लॉक अस्पतालों और मेडिकल कालेजों में भी ऐसे कैंप लगेंगे।

दशकों से तेल खरीदने वाला भारत अब सऊदी को एनर्जी का निर्यात करेगा

तेल और गैस के लिए भारत दूसरे देशों पर निर्भर है लेकिन आने वाले वक्त में इसमें बदलाव होने वाला है। भारत की नजर ग्रीन हाइड्रोजन पर है और 2030 तक पांच मिलियन टन ग्रीन हाइड्रोजन का टारगेट है। भारत आने वाले वक्त में भविष्य के ईंधन के लिए एक निर्यात का केंद्र बन सकता है।

नई दिल्ली । जी20 शिखर सम्मेलन के रविवार को सम्पन्न होने के बाद सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान भारत की राजकीय यात्रा पर हैं। उनके साथ मंत्रियों और कोरोबारियों का एक प्रतिनिधिमंडल भी है। सोमवार पीएम मोदी और और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच वन टू वन मीटिंग भी हुई। इस मीटिंग में एनर्जी सेक्टर, व्यापार- निवेश, रक्षा, हेल्थ और खाद्य सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा हुई। भारत और सऊदी अरब के बीच 3.5 अरब अमेरिकी डॉलर के करीब 50 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच एक अहम डील भी हुई। लंबे समय तक भारत तेल आयात करता रहा है लेकिन अब ग्रीन एनर्जी, बिजली ग्रिड को लेकर सऊदी अरब के साथ करार हुआ है। आने वाले वक्त में भारत ग्रीन एनर्जी के फील्ड में बड़ा रोल प्ले करने की भूमिका में होगा।

ग्रीन एनर्जी सेक्टर में भारत की होगी बड़ी भूमिका

भारत और सऊदी अरब ने समुद्र के अंदर केबल के साथ पावर ग्रिड बनाने पर सहमति जताई है। ऊर्जा मंत्री आरके सिंह और उनके समकक्ष अब्दुलअज़ीज़ बिन सलमान अल-सऊद द्वारा साइन किया गया समझौता ज्ञापन, सऊदी तेल और रसोई गैस (एलपीजी) के शुद्ध खरीदार से भारत की स्थिति को ग्रीन एनर्जी और हाइड्रोजन के साथ ऊर्जा निर्यातक में बदलने की क्षमता रखता है। भारत और सऊदी अरब ने सोमवार को अपने बिजली ग्रिड, ग्रीन हाइड्रोजन क्षमताओं के बीच समुद्र के भीतर इंटरलिंक बनाने की दिशा में काम करने पर सहमति जताते हुए अपने पारंपरिक तेल क्रेता-विक्रेता संबंध को साझेदारी में बदलने की योजना बनाई है। सऊदी अरब, भारत के लिए तेल का तीसरा सबसे बड़ा और एलपीजी का सबसे बड़ा स्रोत है।

यह काम चुनौतीभरा, आगे की है योजना

समुद्र के अंदर इंटरकनेक्टिंग केबल तकनीकी रूप से चुनौतीभरा काम है। इस योजना की सफलता दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को एक सूत्र में बांध देगा। उम्मीद जताई जा रही है कि जब यह योजना साकार होगी यह मुख्य रूप से प्रधानमंत्री मोदी के अति महत्वाकांक्षी वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रिड दृष्टिकोण में पहला ऑफशोर लिंक होगा। दुनिया भर में समुद्र के अंदर 485 बिजली केबल परिचालन में हैं जिनमें सबसे लंबा यूके और डेनमार्क के बीच 764 किलोमीटर लंबा वाइकिंग लिंक है।

आयात नहीं अब निर्यात करने की हो रही तैयारी

समझौता ज्ञापन पेट्रोलियम भंडार के क्षेत्रों में सहयोग पर भी केंद्रित है - एक ऐसा कदम जो भारत की रणनीतिक तेल और गैस भंडारण क्षमताओं के विस्तार में सऊदी निवेश को बढ़ा सकता है। भारत के पास वर्तमान में 5 मिलियन टन से कुछ अधिक का रणनीतिक तेल भंडार है जो तीन स्थानों पर फैला हुआ है और कमर्शियल यूज के लिए एक जगह एलपीजी स्टोरेज।

UP: लगातार बारिश से लखनऊ में बिगड़े हालात, मुख्यमंत्री ने तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के दिए निर्देश

लखनऊ में लगातार बारिश होने के कारण स्कूलों में अवकाश की घोषणा की गई है। मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने शहर में बाहर निकलकर हालात का जायजा लिया।

राजधानी लखनऊ सहित यूपी के कई जिलों में लगातार हो रही बारिश को देखते हुए लखनऊ के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। इस संबंध में जिलाधिकारी ने आदेश जारी कर दिया है। वहीं, आम शहरवासियों के लिए मौसम विभाग द्वारा जारी भीषण बिजली कड़कने और भारी वर्षा के मद्देनजर अनावश्यक घरों से न निकलने का निर्देश जारी किया गया है। मौसम विभाग ने भीषण बिजली कड़कने की संभावना भी जाहिर की है।

प्रशासन ने जारी निर्देश में कहा है कि असुरक्षित भवनों व पेड़ो के संपर्क में आने से बचें। जनपदवासियों को अपने घरों में रहने की सलाह दी जाती है। सतर्क रहें, सुरक्षित रहे। वहीं, मौसम विभाग ने लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा, लखीमपुर खीरी , हरदोई और सीतापुर में आंधी तूफान का रेड अलर्ट जारी किया है।

वहीं, मेयर सुषमा खर्कवाल ने शहर में जलभराव की स्थिति को देखते हुए मोर्चा संभाल लिया है और खुद जलभराव क्षेत्रों का जायजा लेने के लिए निकल पड़ी हैं। उन्होंने निर्देश दिया है कि पूरे लखनऊ में जलमग्न स्थिति को देखते कर्मचारी युद्ध स्तर पर जुटें। वह जानकीपुरम के सेक्टर डी मनकामेश्वरमें निरीक्षण करने पहुंचीं।

बांके बिहारी मंदिर के विकास के लिए 505 करोड़ की कार्ययोजना तैयार, कॉरिडोर बनाया जाएगा

बांके बिहारी मंदिर, मथुरा में लगातार बढ़ रहे श्रद्धालुओं को देखते हुए वहां की सुविधा, सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन पर सरकार काफी फोकस कर रही है। इसी के तहत विकास कार्य व कॉरिडोर निर्माण को लेकर ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने 505 करोड़ का विस्तृत प्लान तैयार किया है। रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने इसका प्रस्तुतिकरण किया गया।

विकास परिषद की ओर से तैयार किए गए प्रस्ताव में सर्वाधिक जोर भीड़ प्रबंधन पर दिया गया है। वजह, मंदिर दर्शन के लिए सामान्य दिनों में प्रतिदिन लगभग 50- 60 हजार लोग व त्योहार आदि विशेष अवसर पर कई लाख लोग यहां पहुंचते हैं। इसकी वजह से मंदिर प्रशासन व विकास परिषद के सामने भीड़ प्रबंधन एक बड़ी चुनौती होती है।

सीएम के सामने हुए प्रेजेंटेशन में भव्य कॉरिडोर के निर्माण का भी खाका प्रस्तुत किया गया। इस पर मुख्यमंत्री ने भी कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं। जानकारी के अनुसार पूर्व में जन्माष्टमी के दौरान ज्यादा भीड़ होने के कारण वहां लोग हताहत हुए थे। इसके बाद एक पीआईएल दाखिल हुई थी। इस पर न्यायालय ने सरकार से वहां सुधार व बेहतरी से संबंधित प्रस्ताव के बारे में जानकारी चाही थी। 18 सितंबर को इस मामले की सुनवाई होनी है। ऐसे में सरकार वहां पर अपना पक्ष व विकास की कार्य योजना रखने जा रही है। इससे पहले प्रस्ताव का प्रस्तुतिकरण आज मुख्यमंत्री के सामने किया गया।

संपादकीय

पिछले कुछ समय से चंद्रबाबू नायडू जगनमोहन रेड्डी सरकार के खिलाफ आक्रामक विरोध कर रहे थे, इसलिए यह भी कहा जा रहा है कि इसका बदला लेने की नीयत से राज्य सरकार ने यह कदम उठाया है। जब भी किसी अनियमितता के मामले में किसी बड़े पदाधिकारी या नेता के खिलाफ कार्रवाई होती है, तो भरोसा बनता है कि इससे भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। मगर पिछले कुछ वर्षों से भ्रष्टाचार के मामलों में राजनेताओं की गिरफ्तारियों को प्राय: सियासी रंग दे दिया जाता है। पक्ष और विपक्ष के दल परस्पर बंटे नजर आते हैं।

भ्रष्टाचार पर सियासत, चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी को विपक्ष ने बताई बदले की कार्रवाई

जाहिर है, इससे भ्रष्टाचार को लेकर आम लोगों में भ्रम फैलता है और इस तरह इसके खिलाफ कोई भरोसेमंद लड़ाई आगे नहीं बढ़ पाती। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी को लेकर भी ऐसा ही माहौल बन गया है। विपक्षी पार्टियां सत्तारूढ़ दल पर बदले की भावना से काम करने का आरोप लगा रही हैं। तेलुगु देशम पार्टी के कार्यकर्ता इसके विरोध में आंदोलन पर उतर आए हैं।

संपादक-
गोपाल गावंडे

सीएम रहते बेरोजगार युवाओं में कौशल विकास के लिए एक योजना शुरू की थी

गौरतलब है कि चंद्रबाबू नायडू को कौशल विकास घोटाले के आरोप में वहां की सीआइडी की आर्थिक अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। आरोप है कि करीब सात साल पहले चंद्रबाबू नायडू ने मुख्यमंत्री रहते बेरोजगार युवाओं में कौशल विकास के लिए एक योजना शुरू की थी, जिसके लिए तीन हजार तीन सौ करोड़ रुपए की परियोजना तैयार की गई। यह काम एक निजी कंपनी को दिया गया, जिसे इसमें पैसे लगाने थे और कुल लागत का केवल दस फीसद राज्य सरकार को खर्च करना था। मगर कंपनी ने पैसे नहीं लगाए और सरकार ने फर्जी कंपनियों को करीब ढाई सौ करोड़ रुपए दे दिए।

पच्चीस लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई

हालांकि करीब दो साल पहले सीबीआइ ने इस मामले की जांच की थी, जिसमें पच्चीस लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। उसमें चंद्रबाबू नायडू का नाम नहीं था। मगर इस साल मार्च में इस मामले की जांच सीआइडी को सौंप दी गई। उसने अपनी छानबीन में पाया कि इसमें गंभीर अनियमितताएं हुई हैं और उनमें खुद चंद्रबाबू नायडू शामिल हैं। उसने चंद्रबाबू के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली। चूंकि सीआइडी राज्य सरकार के अधीन काम करती है, इसलिए विपक्षी दलों के लिए यह आरोप लगाना आसान हो गया है कि उसने राज्य सरकार के इशारे पर यह कार्रवाई की है।

पिछले कुछ समय से चंद्रबाबू नायडू जगनमोहन रेड्डी सरकार के खिलाफ आक्रामक विरोध कर रहे थे, इसलिए यह भी कहा जा रहा है कि इसका बदला लेने की नीयत से राज्य सरकार ने यह कदम उठाया है। इस तरह कौशल विकास घोटाला भी राजनीति की भेंट चढ़ता नजर आने लगा है।

यह पहला मामला नहीं है, जब भ्रष्टाचार के खिलाफ हुई किसी कार्रवाई को सत्तापक्ष की बदले की भावना से की गई कार्रवाई बता कर हकीकत पर परदा डालने का प्रयास किया जा रहा है। दिल्ली में शराब घोटाले, महाराष्ट्र में भूमि खरीद घोटाला, पश्चिम बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाला आदि में हुई राजनेताओं की गिरफ्तारियों और सीबीआइ, प्रवर्तन निदेशालय आदि जांच एजंसियों की अनेक नेताओं से पूछताछ को लेकर भी इसी तरह की सियासी सरगर्मी दिखती रही है।

हालांकि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि सरकारें जांच एजंसियों का अपने सियासी नफे-नुकसान की दृष्टि से दुरुपयोग करती रही हैं। बहुत सारे मामलों में यह स्पष्ट भी है। मगर हर मामले को सियासी कदम कह कर खारिज कर देने से लोगों में भ्रष्टाचार उन्मूलन को लेकर भरोसा कमजोर होता है। जब तक ऐसे मामलों को राजनीतिक चश्मे से देखने की प्रवृत्ति बंद नहीं होगी, तब तक सचमुच भ्रष्टाचार को खत्म करने का मकसद पूरा नहीं होगा।

राजनीति

उत्तर प्रदेश सरकार ने बदली खेल नीति, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बोले- खेल प्रतिभाओं को मिलेंगे आगे बढ़ने के मौके

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में दो दिवसीय राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता के समापन समारोह में कहा कि सरकार ने खेलों में युवाओं की रुचि बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 21 अगस्त 2023 को नागपंचमी के मौके पर गोरखपुर में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार खेल अकादमियां खोलने में निजी क्षेत्र की सहायता करेगी। सरकार ने सूबे की खेल नीति में भी बदलाव किए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित दो दिवसीय कुश्ती प्रतियोगिता के समापन समारोह को संबोधित करते यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेल गतिविधियों को बढ़ाने के लिए अब तक निजी क्षेत्र की खेल अकादमियों को सरकारी मदद नहीं मिलती थी। इसके लिए प्रदेश सरकार ने नीति में बदलाव करते हुए उन्हें मदद देने की व्यवस्था बनाई है। यह व्यवस्था इसलिए की गई है, क्योंकि कई खिलाड़ी निजी अकादमियों से प्रशिक्षण हासिल कर आगे बढ़े हैं और प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, निजी अकादमियों को सरकार का सहयोग मिलने से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के और अवसर मिलेंगे। वर्ष 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में खेलो इंडिया अभियान, सांसद खेल स्पर्धा और फिट इंडिया मूवमेंट से गांव-गांव खेल और खिलाड़ियों को जो प्रोत्साहन मिला है।

उन्होंने कहा, इसका नतीजा यह है कि आज हमारे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय फलक पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। देश में नौ वर्षों से खिलाड़ियों को व्यापक मंच मिला है। उत्तर प्रदेश में खेल के प्रति रुचि और खेल की गतिविधियों को बढ़ाने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। इसके तहत हर गांव में खेल के मैदान व ओपन जिम विकसित किए जा रहे हैं। जिला स्तर पर स्टेडियम व ब्लॉक स्तर पर मिनी स्टेडियम बनाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश में दो अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, 77 स्टेडियम, 68 बहुउद्देश्यीय स्पोर्ट्स हाल, 39 तरणताल, 14 सिंथेटिक हॉकी मैदान, 36 जिम, 3 सिंथेटिक रनिंग ट्रैक, 19 डोरमेट्री, 16 बास्केटबॉल स्टेडियम, 11 कुश्ती हाल, 11 वेटलिफ्टिंग हाल बनाए जा चुके हैं। तीन स्पोर्ट्स कॉलेज व 44 क्रीड़ा छात्रवासों के जरिये कई प्रकार के खेलों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मेरठ में मेजर ध्यानचंद के नाम पर प्रदेश के पहले और विश्व स्तरीय स्पोर्ट्स विश्वविद्यालय का निर्माण हो रहा है।

नई तकनीकों से ठीक हो रहे कैंसर के मरीज, मिल रहा नया जीवन

इंदौर में आयोजित 49वीं नेशनल आइकान कांफ्रेंस में देश-विदेश के कैंसर विशेषज्ञों ने किया मंथन। अलग-अलग कैंसरों के बारे में दी जानकारी।

कैंसर को अब तक लाइलाज बीमारी माना जाता रहा है। इसका कोई सटीक इलाज उपलब्ध नहीं होने के कारण मरीज तो शारीरिक और मानसिक पीड़ा से गुजरता ही है, उसके स्वजन भी मानसिक यंत्रणा झेलने को मजबूर रहते हैं। लेकिन अब कुछ ऐसी तकनीकें आ गई हैं, जिनसे कैंसर के मरीजों के ठीक होने की उम्मीद जागी है। इन तकनीकों का इस्तेमाल करके कैंसर मरीजों को नया जीवन देना आसान हो गया है। उम्मीद की किरण जगाने वाली यह बात इंदौर में आयोजित 49वीं नेशनल आइकान कांफ्रेंस के समापन पर देश-विदेश के विशेषज्ञों ने कही।

कांफ्रेंस के को-आर्डिनेटर डा. एसपी श्रीवास्तव ने अलग-अलग प्रकार के कैंसरों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि कैंसर रोग में परंपरागत इलाज के बजाय नई थेरेपी अत्यंत कारगर साबित हो रही है। नई तकनीक जैसे इम्यूनोथेरेपी, टारगेट थेरेपी और हार्मोन थेरेपी से कैंसर के मरीजों के ठीक होने की संभावना बढ़ी है। उन्होंने कहा कि परंपरागत इलाज के साथ इस तरह की थेरेपी देने से कैंसर मरीजों में अप्रत्याशित रूप से फायदा होता देखा गया है। साथ ही जिन मरीजों को एडवांस स्टेज और मेटास्टिक स्टेज का कैंसर है, वह भी लंबे समय तक इन तकनीकों से आसानी से इलाज करवा सकते हैं।

आने वाला समय इम्यूनोथेरेपी या टारगेट थेरेपी का

ब्रेस्ट कैंसर पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि पहले हम स्टेज फोर में कीमोथेरेपी का इस्तेमाल करते थे, लेकिन आज हार्मोन थेरेपी और इम्यूनोथेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे मरीज के ठीक होने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। आने वाला समय इम्यूनोथेरेपी या टारगेट थेरेपी का है, न कि पुरानी पद्धति का है।

अमीनो थेरेपी नया और सटीक विकल्प

कांफ्रेंस में आए देश के वरिष्ठ कैंसर रोग विशेषज्ञ डा. बी. अग्रवाल ने बताया कि ब्लड कैंसर के इलाज में कीमोथेरेपी की तुलना में अमीनो थेरेपी एक नया और सटीक इलाज उपलब्ध है। इससे ब्लड कैंसर के ठीक होने की संभावनाएं अधिक हो गई हैं। डा. एसपी श्रीवास्तव ने बताया कि फेफड़ों के कैंसर में जहां कीमोथेरेपी से ठीक होने की संभावनाएं काफी कम हैं वहीं टारगेट थेरेपी और अमीनो थेरेपी से फेफड़ों के कैंसर में महत्वपूर्ण सुधार देखा गया है। इस थेरेपी के बाद एडवांस स्टेज में भी मरीज की आयु पांच से छह साल तक बढ़ गई है। यह नई उपलब्धि है जो इंदौर में भी कम खर्च में उपलब्ध है।

हार्मोन थेरेपी से सटीक इलाज

अहमदाबाद से डा. चिराग देसाई ने ब्रेस्ट कैंसर के बारे में कहा कि महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है। इस कैंसर के इलाज में हार्मोन थेरेपी बड़ी कारगर साबित हो रही है। इससे रोग के ठीक होने का प्रतिशत भी बढ़ा है और मरीज को अधिक तकलीफ भी इसमें नहीं होती है। डा. देसाई ने कहा कि कैंसर के इलाज की यह सभी सुविधाएं आज हमारे देश में उपलब्ध हैं।

इंदौर में ही तमाम तरह के कैंसर का इलाज

डा. देसाई ने कहा कि हमारे देश में मेडिकल साइंस के क्षेत्र में उन्नति होने के कारण अब हमारी निर्भरता विदेश पर कम हुई है। इसका फायदा यह भी हुआ है कि विदेश की तुलना में हमारे यहां इसका इलाज कम खर्च में उपलब्ध है। इंदौर जैसे शहर में ही तमाम तरह के कैंसर के इलाज की सुविधाएं उपलब्ध हैं, मरीजों को अब बाहर जाने की आवश्यकता नहीं है। कांफ्रेंस में डा. एमबी अग्रवाल, डा. आडवाणी, डा. चिराग देसाई, डा. पुर्वेश पारीख, डा. अनिल डिक्रूज, डा. अतुल शर्मा ने भी प्रेजेंटेशन दिए।

इंदौर में बोले केंद्रीय मंत्री सिंधिया- जनता नकारात्मक शक्तियों को पहचान चुकी है

उज्जैन जाते समय इंदौर विमानतल पर सिंधिया ने मीडिया से चर्चा। उन्होंने कहा कि भारत एक सितारे के रूप में उभर रहा है तो कुछ लोग बेचैन हो रहे हैं।

इंदौर। मप्र क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सोमवार को इंदौर पहुंचे। विमानतल पर मीडिया से चर्चा में उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि देश की जनता इन्हें फिर सबक सिखाएगी। जी-20 सम्मेलन की तारीफ करते हुए सिंधिया ने कहा कि आयोजन सफल रहा है। भारत एक सितारे के रूप में उभर रहा है तो कुछ लोग बेचैन हैं। देश की जनता नकारात्मक शक्तियों को पहचान चुकी है। सिंधिया विमानतल से उज्जैन के लिए रवाना हो गए। देर शाम वे फिर इंदौर लौटेंगे और ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित एमपीसीए के कार्यक्रम में शामिल होंगे।

इंदौर में फिर सामने आया लव जिहाद, शादी का दबाव बना धर्म बदलने का कह रहा था अरहम

इंदौर। इंदौर में एक बार फिर लव जिहाद का मामला सामने आया है। पहले से शादीशुदा आरोपित ने नाम बदलकर युवती के साथ प्यार का नाटक किया और फिर संबंध बनाए। बाद में शादी का दबाव बनाने पर उसने युवती को धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया। मामले में युवती ने विजयनगर थाना में रिपोर्ट दर्ज करवाई।

पुलिस के अनुसार, मामला विजय नगर थाना क्षेत्र का है। आरोपित अरहम खान युवती के साथ विजय नगर क्षेत्र की एडवाजरी कंपनी में काम करता है। आरोपित ने नाम बदलकर युवती से दोस्ती बढ़ाई और फिर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। वह धर्म परिवर्तन करने की बात करने लगा। बाद में युवती को पता चला कि अरहम पहले से शादीशुदा है। युवती ने थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज करवाई।

इंदौर में डायमंड लगे कटर से मेट्रो प्लेटफार्म की हो रही कटाई

, इंदौर। इंदौर में मेट्रो कोच जिस प्लेटफार्म से होकर गुजरेगा, उसके निर्माण में डायमंड का इस्तेमाल किया जा रहा है। मेट्रो कोच को प्लेटफार्म पर लाने के पहले स्ट्रक्चर गेज को पटरियों पर चला कर जांच की गई। ऐसे में स्ट्रक्चर गेज के पाइप प्लेटफार्म के जिस भी हिस्से से टकरा रहे हैं, उस सीमेंट कांक्रीट के हिस्से को डायमंड कटर से काटा जा रहा रहा है।

गांधी नगर स्टेशन व सुपर कारिडोर स्टेशन नंबर-3 पर दो डायमंड कटर का उपयोग किया जा रहा है। इस कटर में उपयोग होने वाली ब्लेड में डायमंड के टुकड़े लगे हुए हैं। इस वजह से कटर में लगी एक स्टील की ब्लैड की कीमत ही एक से डेढ़ लाख रुपये है।

पुलिस से नाराज दुष्कर्म पीड़िता बच्चों को लेकर रीगल तिराहे पर पहुंची जान देने

महिला का आरोप- कुछ लोग मेरे वीडियो वायरल कर रहे हैं, शिकायत करने थाने जाओ तो भगा देते हैं, सुनवाई नहीं करते।

इंदौर । इंदौर में पुलिस से नाराज एक दुष्कर्म पीड़िता अपने तीन बच्चों को लेकर सोमवार को रीगल तिराहे पर बीच सड़क पर बैठ गई। महिला का आरोप है कि पुलिस उसकी सुनवाई नहीं कर रही है। इसलिए वह जान देने के लिए यहां आई है। बीच सड़क पर धरने पर बैठने के कारण यातायात भी प्रभावित हुआ। काफी समझाइश के बाद महिला वहां से उठी। खजराना निवासी महिला ने बताया कि एमआइजी थाने में दुष्कर्म का केस दर्ज करवाया था। आरोपित अभी जेल में है, लेकिन सलीम, फैजान और अन्य मेरे वीडियो वायरल कर रहे हैं। इन्होंने बीच सड़क पर मेरा बुर्का भी फाड़ दिया था। एक बार बच्ची का हाथ पकड़कर ले जाने लगे। कहते हैं राजीनामा होने के बाद ही बच्ची को छोड़ेंगे।

थाने पर जाओ तो भगा देते हैं, अपशब्द बोलते हैं

मैं पिछले 15 दिनों से रोजाना थाने के चक्कर लगा रही हूं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। वहां जाती हूं तो मुझे भगा देते हैं। थाने पर मौजूद एसआइ सीमा शर्मा बदतमीजी करती है। अपशब्द भी कहती है। एक बार मेरी बच्ची से उसने वहां झाड़ू भी लगवाई थी। इसकी शिकायत मैंने पुलिस अधिकारियों को भी की है, लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं है। बीच सड़क पर बैठकर बच्चों के साथ जान देने के लिए आई थी।

कलंक चतुर्थी और गणेश चतुर्थी को लेकर कंफ्यूजन

गणेश उत्सव देशभर में बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इसका आरंभ भाद्रपद चतुर्थी तिथि के दिन से होता है। इस बार चतुर्थी तिथि दो दिन होने से गणेश चतुर्थी के पर्व को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। आइए जानते हैं कब है गणेश चतुर्थी या कलंक चतुर्थी।

भाद्रपद चतुर्थी तिथि का अधिक महत्व है। दरअसल, इस दिन से भगवान गणेश का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस दिन से लेकर अगले 10 दिनों तक गणेश उत्सव मनाया जाता है। कलंक चतुर्थी और गणेश चतुर्थी एक ही दिन मनाई जाती है लेकिन, गणेश चतुर्थी और कलंक चतुर्थी इस बार दो दिन मनाई जाएगी। कलंक चतुर्थी को चौठ चंद्र पर्व के नाम से भी जाना जाता है। आइए जानते हैं कब है कलंक चतुर्थी और गणेश चतुर्थी।

कब है कलंक चतुर्थी और गणेश चतुर्थी

पंचांग के अनुसार, इस बार 18 सितंबर को 12 बजकर 39 मिनट पर चतुर्थी तिथि लग जाएगी। शाम के समय चतुर्थी होने से कलंक चतुर्थी का पर्व 18 सितंबर को मनाया जाएगा। भाद्रशुल चतुर्थी तिथि के संयोग में 19 तारीख में चतुर्थी तिथि का आरंभ 1 बजकर 43 मिनट तक चतुर्थी तिथि रहेगी। इसके बाद पंचमी तिथि आरंभ होगा। गणेश चतुर्थी के विधान के अनुसार, दोपहर में चतुर्थी तिथि होने के कारण चतुर्थी का व्रत 19 सितंबर को रखा जाएगा। जबकि कलंक चतुर्थी 18 सितंबर को रहेगी।

जानें कैसा करें गणेशजी की पूजा

गणेशजी की कृपा और आशीर्वाद पाने के लिए आपको पूजा में धूप, दीप, लाल चंदन, मोली चावल, पुष्प, दूर्वा, जनेऊ, सिंदूर आदि से भक्तिभाव से गणेशजी का पूजन करें। इसी के साथ इस दिन 108 बार तुलसी की माला से ऊं गं गणपतये नमः का पाठ करें। इसके अलावा गणेश अथर्वशीर्ष का पाठ करना भी उत्तम फलदायी रहता है। इस दिन सुबह सबसे पहले ब्रह्म मुहूर्त में स्नान कर लें। इसके बाद गणेश जी की मूर्ति का शुद्ध घी, सिंदूर, हल्दी और चंदन का श्रृंगार करना करें। साथ ही इसके बाद गणेशजी को जनेऊ पहनाएं। गणेशजी की मूर्ति को उत्तर पूर्व दिशा में स्थापित कर दें। साथ ही धूप दीपक जलाएं। इसके बाद फल और फूल अर्पित करें और भगवान गणेश को मोदक और लड्डूओं का भोग लगाएं। अंत में कपूर जलाकर गणेशजी की आरती करें। 10 दिनों तक लगातार सुबह शाम पूरे विधि विधान के साथ पूजन करें। अनंत चतुर्थी के दिन गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन कर दें।

अगले 5 दिन में जाग जाएगा इन राशियों का सोया हुआ भाग्य, बुधादित्य योग बढ़ाएगा धन की आवक, तरक्की के प्रबल योग

बुधादित्य योग बनने से सिंह सहित कुछ राशि के जातकों को अपार धन संपदा के साथ परिवार का साथ मिल सकता है। इसके साथ ही बिजनेस में निवेश करना लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस समय ग्रहों के राजकुमार बुध और ग्रहों के राजा सूर्य दोनों ही सिंह राशि में विराजमान है। इस राशि में सूर्य 17 सितंबर 2023 तक रहेंगे। इसके बाद कन्या राशि में प्रवेश कर जाएंगे। ऐसे में सिंह राशि में बुध और सूर्य की युति से बुधादित्य योग बना हुआ है। बुधादित्य योग शुभ योगों में से एक माना जाता है। इस योग के बनने से कई राशियों की किस्मत अचानक खुल जाती है। धन-धान्य की बढ़ोतरी के साथ हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त होती है। आइए जानते हैं सिंह राशि में बुधादित्य योग बनने से किन राशियों की किस्मत सातवें आसमान पर होगी।

सिंह राशि

सिंह राशि के लग्न भाव में ही दोनों ग्रहों की युति हो रही है। ऐसे में सिंह राशि के जातकों को विशेष लाभ मिल सकता है। आत्म विश्वास की बढ़ोतरी होगी, जिससे आप हर काम को सफलता के साथ कर लेंगे। बिजनेस में भी अपार सफलता के आसार नजर आ रहे हैं। नए प्रोजेक्ट की शुरुआत कर सकते हो। इसमें सफलता मिलने के पूरे आसार नजर आ रहे हैं। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा।

तुला राशि

इस राशि के जातकों को करियर अच्छा जाने वाला है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा। रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। लंबे समय से जो काम अटका है वो अब फिर से शुरू हो सकता है। आपका सपना पूरा हो सकता है। कार्यस्थल में भी आपके काम की प्रशंसा की जाएगा। इसके चलते उच्च अधिकारी प्रसन्न होकर पदोन्नति या फिर कोई बड़ी जिम्मेदारी आपको दे सकते हैं।

धनु राशि

बुधादित्य योग बनने से इस राशि के जातकों को लाभ मिलने के पूरे आसार नजर आ रहे हैं। अगले पांच दिनों में कोई बड़ा प्रोजेक्ट हाथ लग सकता है। कर्ज दिया हुआ पैसा भी वापस मिल सकता है। बढ़ते हुए आत्मविश्वास के कारण आप आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं। अपनी इच्छाओं को पूरा करने का भी अच्छा समय चल रहा है।

केएल राहुल ने आसान किया विराट कोहली का रास्ता, मैच के बाद किंग का खुलासा

विराट कोहली ने शतक का श्रेय केएल राहुल को दिया है. विराट-केएल की बदौलत टीम इंडिया ने पाकिस्तान पर सबसे बड़ी जीत दर्ज की.

पाकिस्तान के खिलाफ विराट कोहली ने 122 रन की तूफानी पारी खेली. इस पारी का श्रेय विराट कोहली ने टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर केएल राहुल को दिया है. विराट कोहली का कहना है कि केएल राहुल की वजह से उनके लिए क्रीज पर बल्लेबाजी करना आसान हो गया. खास बात है कि इस मुकाबले में विराट कोहली का साथ देते हुए केएल राहुल ने भी शतक जड़ा।

विराट कोहली और केएल राहुल के बीच दूसरे विकेट के लिए 244 रन की पार्टनरशिप हुई. विराट कोहली ने कहा, केएल राहुल ने शुरुआत से ही काम आसान कर दिया। राहुल आसानी से स्ट्राइक बदलते रहे. हमने हर रन लेने की कोशिश की. एक रन को दो में बदलने की कोशिश की। 100 रन बनाने के बाद रैंप शॉट भी खेला।

राहुल को विराट कोहली ने अपने जैसा क्रिकेटर बताया. किंग कोहली ने कहा, मेरा और राहुल का बल्लेबाजी करना का तरीका एक जैसा है. हम कोई तूफानी शॉट नहीं लगाते हैं. क्रिकेट बुक के तहत हम खेलने की कोशिश करते हैं. यह पार्टनरशिप भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत अच्छी बात है। राहुल की वापसी भारत के लिए बेहद सुखद है।

पाकिस्तान पर मंडरा रहा है खतरा

विराट कोहली ने सोमवार को कैरियर की सबसे बेहतरीन पारियों में से एक खेली. विराट कोहली ने 94 गेंद में 122 रन बनाए. कोहली की इस पारी में 9 चौके और तीन छक्के शामिल रहे. राहुल ने भी 111 रन की नाबाद पारी खेली. इन दोनों की पारियों का ही कमाल था कि भारत 50 ओवर में 2 विकेट के नुकसान पर 356 रन का बड़ा स्कोर खड़ा करने में कामयाब हो गया।

भारत के दिए विशाल लक्ष्य के सामने पाकिस्तान की टीम बेबस नज़र आई. पाकिस्तान की पूरी टीम 128 रन ही बना पाई. कुलदीप यादव ने पांच विकेट लेकर कमाल कर दिया. भारत ने इस जीत के लिए राउंड-4 की प्वाइंट्स टेबल में नंबर वन पोजिशन हासिल कर ली है. भारत के लिए अब फाइनल की राह आसान हो गई. वहीं पाकिस्तान के ऊपर अब टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है।

तारा सिंह को हराना नहीं है जवान के बस की बात, 1 महीने बाद भी 32वें दिन हुई अंधी कमाई

सनी देओल और अमीषा पटेल की फिल्म गदर 2 पांचवे हफ्ते में पहुंच गई है. पांचवें हफ्ते में भी तारा सिंह और सकीना का जादू कायम है.

नई दिल्ली । Gadar w Bo& Office Collection Day 32- सनी देओल और अमीषा पटेल की फिल्म गदर 2 पांचवे हफ्ते में पहुंच गई है. पांचवें हफ्ते में भी तारा सिंह और सकीना का जादू कायम है. गदर 2 को अक्षय कुमार की ह्रस्न्न 2 ने टक्कर दिया. उसके बाद ड्रीम गर्ल से गदर 2 टकराई. वहीं अब सनी देओल की फिल्म शाहरुख खान की जवान का सामना कर रही है. लेकिन लगता है तारा सिंह ने किसी के सामने न झुकने की मानो कसम खा ली है. सोमवार होने की वजह से फिल्म की कमाई में गिरावट होना सामान्य है. इसके बाद भी फिल्म ने खुद को 32वें दिन भी ठीक ठाक मैनेज कर लिया.

गदर 2 का 32वें दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

गदर 2 ने रविवार को 1.60 करोड़ का कारोबार किया, जो कि शनिवार की तुलना में 18 फीसदी अधिक था. वेब पोर्टल स्डुष्ठुद्बद्यद्म की मानें तो गदर 2 ने 32वें दिन बॉक्स ऑफिस पर 75 लाख रुपए की कमाई की. इस तरह से फिल्म का कुल कलेक्शन 514 करोड़ हो गया है. हालांकि गदर 2 लाइफटाइम कलेक्शन में पठान से अब भी पीछे चल रही है. पठान ने कुल 543.05 करोड़ का कलेक्शन किया था.

2001 की फिल्म गदर का सीक्वल है गदर 2

40 करोड़ के बजट में बनी गदर 2 पहले हफ्ते ही 284 करोड़ की कमाई कर अपना बजट निकाल चुकी थी. दूसरे हफ्ते फिल्म ने 134.47 करोड़ का बिजनेस किया. तीसरे हफ्ते कमाई में गिरावट आई और कलेक्शन 63.35 करोड़ तक सिमट गया. वहीं चौथे हफ्ते में गदर 2 ने 27.55 करोड़ कमा लिए. बता दें गदर 2 को अनिल शर्मा ने बनाया है. यह फिल्म साल 2001 में आई गदर का सीक्वल है.

जवान के बाद आने वाली शाहरुख की 6 फिल्में, जो तूफान उठाकर रख देंगी

इनमें से दो फिल्मों में वो सलमान खान के साथ दिखाई देंगे.

छ्वड्डु2ड्डुठ्ठ के बुखार ने पूरे देश को जकड़ रखा है. सिनेमाघरों से वीडियो आ रहे हैं, जहां लोग 'ज़िंदा बंदा' पर झुंड में नाच रहे हैं. यही बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में भी नज़र आ रहा है. फिल्म ने पहले चार दिनों में ही दुनियाभर में 500 करोड़ रुपए से ज़्यादा छाप लिए. इंडिया में हिंदी वर्ज़न की कमाई 250 करोड़ रुपए है. स्द्धड्डुद्ध ऋद्बद्मद्ध चद्धड्डुठ्ठ की फिल्म को हाल-फिलहाल में तो किसी से टक्कर नहीं मिलने वाली. अगले दो हफ्तों तक ये कमाई करती रहेगी. 'पठान' के बाद लोग 'जवान' का इंतज़ार कर रहे थे. दोनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर बमबारी कर दी।

वन और वन्य-प्राणियों की सुरक्षा में शहीदों के परिवारों को 10 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपए अनुग्रह राशि दी जाएगी

5 हजार रुपए वर्दी भत्ता और 1000 रुपए पौष्टिक आहार भत्ता मिलेगा

मुख्यमंत्री श्री चौहान की महावत, कटर जैसे अल्प वेतन भोगी कर्मचारियों से होगी चर्चा

मुख्यमंत्री ने राज्य वन शहीद स्मारक का लोकार्पण और चंदनपुरा नगर वन का शुभारंभ किया

वन और वन्य-प्राणियों की सुरक्षा में शहीद होने वाले वन विभाग के कर्मचारियों के परिवारों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि 10 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपए की जाएगी। वन विभाग के अमले को 5 हजार रुपए वर्दी भत्ता और 1000 रुपए का पौष्टिक आहार भत्ता भी दिया जाएगा। वन विभाग के महावत, कटर जैसे अल्प वेतन भोगी और अनियमित कर्मचारियों की मुख्यमंत्री निवास में बैठक बुलाकर उनकी समस्याओं के निराकरण और कल्याण एवं बेहतरी के लिए प्रयास किए जाएंगे। प्रदेश में प्रति वर्ष राष्ट्र वन शहीद दिवस उद्देश्यपूर्ण ढंग से मनाया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ये घोषणाएँ आज यहाँ राष्ट्रीय वन शहीद दिवस पर राज्य वन शहीद स्मारक के लोकार्पण कार्यक्रम में की। उन्होंने चंदनपुरा नगर वन का वर्चुअली शुभारंभ भी किया।

वन महोत्सव में शामिल हुए और वन शहीदों के परिजनों का किया सम्मान

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वन विभाग को प्रदेश में फारेस्ट कवर को बढाने में उनके योगदान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश जंगलों की रक्षा करने वाला प्रदेश है। मुख्यमंत्री श्री चौहान नवनिर्मित वन भवन में आयोजित वन महोत्सव में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 44 शहीद वन कर्मियों के परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी तथा शाल-श्रीफल भेंट कर उनका सम्मान किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान का वन मंत्री श्री शाह ने अश्वगंधा का पौधा भेंट कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नगर वन चंदनपुरा, वन शहीद स्मारिका 2023, मध्यप्रदेश के समस्त नगर वन की स्मारिका और मध्यप्रदेश ईको टूरिज्म बोर्ड की गतिविधियों पर केंद्रित पुस्तिका **अनुभूति** का विमोचन किया। चंदनपुरा नगर वन पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी हुआ।

कार्यक्रम में वन राज्य मंत्री श्री राहुल सिंह लोधी, अपर मुख्य सचिव वन श्री जे.एन. कंसोटिया, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री रमेश कुमार गुप्ता और वन अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए भारत के रास्ते पर चलना होगा

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज के खतरे यह सिद्ध करते हैं कि पर्यावरण संरक्षण के लिए दुनिया को भारत के बताए रास्ते पर ही चलना होगा। मत्स्य-पुराण में कहा गया है कि **दस कुओं के बराबर एक बावड़ी होती है, दस बावड़ियों के बराबर एक तालाब होता है, दस तालाबों के बराबर एक पुत्र और दस पुत्रों के बराबर एक वृक्ष होता है।** भारतीय संस्कृति में वृक्ष को ईश्वर, पिता और दस पुत्रों के बराबर माना गया है। हम तुलसी, पीपल, आंवला को काटना अशुभ मानते हैं। यदि पेड़-पौधे नहीं रहेंगे तो मानव जीवन भी नहीं रहेगा।

मध्यप्रदेश ने वन सम्पदा का बखूबी संरक्षण किया

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश ने वन सम्पदा का बखूबी संरक्षण किया है। देश का सबसे बड़ा वन क्षेत्र मध्यप्रदेशमें है, जो राज्य के क्षेत्रफल का 30 प्रतिशत और देश के कुल वन क्षेत्र का 12.30 प्रतिशत है। वन्य-प्राणियों की सुरक्षा में भी हम आगे हैं। मध्यप्रदेश देश का टाइगर स्टेट तो है ही यहाँ तेंदुआ, घड़ियाल, गिध्दों की संख्या भी पर्याप्त है,साथ ही चीतों का भी पुनर्स्थापन हुआ है।

वन कर्मियों की सुरक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जिन्होंने अपनी जान की बाजी लगाकर वनों की सुरक्षा की, राष्ट्र उनका ऋणी है। वन कर्मी अपने परिवार से दूर रहकर कठिन परिस्थितियों में खतरों के बीच अपने कर्तव्य निभाते हैं। उनकी सुरक्षा के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

वर्षा के लिए महाकाल महाराज का माना आभार

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में बारिश नहीं होने के कारण बनी अकाल की स्थिति से संकट निर्मित होता लग रहा था। इस स्थिति में महाकाल महाराज की शरण में जाकर प्रदेश में वर्षा के लिए प्रार्थना की, जिनकी कृपा से वर्षा हुई। एक सप्ताह से राज्य के हर कोने में हो रही वर्षा से फसलों को नवजीवन मिला है और हम सूखे से बच गए हैं। इस कृपा के लिए मैंने उज्जैन जाकर भगवान महाकाल का आभार माना।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)